sha Bal Act, 1994 by the State Government of Uttar Pradesh has be challenged in the Allahabad High Court, Lucknow Bench. The matter is subjudice in the Court.

**Loss of Bombay Blast case papers**

106. SHRI K. R. MALKANI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to tate:

(a) whether Government has seen the Indian Express report of 28.9.1994 that some important Bombay blast case papers have been stolen;

(b) whether responsibility has been fixed for their loss; and

(c) whether any remedial action has been taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PILOT): (a) to (c) Government has seen the Press Report. As per information furnished by the CBI, on 21.9.94, the personal brief case of the Addl. Legal Adviser of CBI was stolen from the car being used by the officers in Bombay. The brief case largely contained personal effects of the officer. Some copies of the Bombay blast case papers which had already been supplied to the accused persons facing trial in this case were also in the brief case. No original paper of the case was in the brief case. The loss of copies does not in any way affect the trial of the accused.

**स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं को अनुदान**

107. **श्री इकबाल सिंह** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में, विशेषकर ग्रामीण इलाकों में, हिन्दी भाषा का प्रचार-प्रसार करने तथा इसे सम्पर्क भाषा के रूप में विकसित करने हेतु जो स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाएं कार्य कर रही है, उनका ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या उक्त हिन्दी संस्थाओं को सरकार द्वारा अनुदान दिया जाता है ;

(ग) यदि हां, तो इन संस्थाओं को इस समय कितने प्रतिशत अनुदान प्राप्त हो रहा है ;

(घ) क्या सरकार इन स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं को शत प्रतिशत अनुदान देने के संबंध में किसी प्रस्ताव पर विचार कर रही है ; और

(ङ) यदि हा, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

**गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० एम० सईद)** : (क) और (ख) देश मे हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार करने में तथा इसे सम्पर्क भाषा के रूप में विकसित करने हेतु कई स्वैच्छिक संस्थाएं कार्यरत हैं। हिन्दीतर राज्यो में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 225 स्वैच्छिक संस्थाओं को वित्तीय साधन उपलब्ध कराए जाते है। स्वैच्छिक संस्थाओं की सूची संलग्न अनुपत्र में है (देखिए परिशिष्ट-172, अनुबंध सं. 3 और 4) हिंदीतर राज्यों की लगभग 225 स्वैच्छिक संस्थाओं को वर्ष 1993-94 में 2.82 लाख रुपए इस मद मे व्यय किए गए।

(ग) हिंदीतर राज्यों में कार्यरत संस्थाओं को वास्तविक व्यय अनुमान का 75% अनुदान दिया जा रहा है।

(घ) और (ङ) मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन निर्मित हिंदी शिक्षा समिति मे इस विषय पर चर्चा हुई थी। यह विचार किया गया था कि अतिरिक्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध न होने पर इस विषय में विचार नही किया जा सकता है।

**1991 Census**

108. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the populatio of the country as per 1991 census; the figures State-wise;

(a) what is the percentage of population of Bihar to the tottal population of India; and